देशबन्धु
Influencing Public Opinion Since 1959
14 Jan 2023 - Page 3

न्यूट्रासिटिकल में मिथाइल कोबालामिन के यूज से आम लोगों को फायदा: डॉ. अग्रवाल

नई दिल्ली, 13 जनवरी (देशबन्धु)। भारत में लोगों के भोजन में विटामिन बी12 के आइसोमर की कमी से कई बीमारियां होती हैं। इसे ठीक करने के लिए डॉक्टर विटामिन बी12 के आइसोमर वाली दवा लिखते हैं। विटामिन बी12 के आइसोमर दवा के साथ-साथ हेल्थ सप्लिमेंट्स और न्यूट्रासिटिकल में भी यूज होते हैं। लेकिन विटामिन बी12 में एक आइसोमर है मिथाइल कोबालामिन, जो मानव को स्वस्थ रखने में बड़ी भूमिका निभाता है। इसका उपयोग दवा के साथ-साथ हेल्थ सप्लिमेंट्स, फूड फॉर स्पेशल डाइट एवं न्यूट्रासिटिकल आदि में होता है। दिक्कत ये है कि इस संबंध में नियामक संस्था एफएसएसएआई ने मिथाइल कोबालामिन का उपयोग न्यूट्रासिटिकल क्षेत्र में करने से बैन लगा दिया है, जबकि दूसरी नियामक संस्था डीसीजीआई ने इसी मिथाइल कोबालामिन के उपयोग की अनुमति दवा बनाने में दी हुई है। फूड सप्लिमेंट में इसकी अनुमति नहीं मिलने का सीधा असर आम आदमी के स्वास्थ्य पर पड़ेगा। इस क्षेत्र में जागरुकता लाने का काम कर रहे अहमदाबाद निवासी डॉ. संजय अग्रवाल के प्रयासों से एफएसएसएआई ने दिसंबर 2021 में न्यूट्रासिटिकल सेक्शन में यह बैन हटा लिया था, लेकिन गजट में नोटिफाई नहीं होने के कारण अभी तक न्यूट्रासिटिकल में इसका उपयोग नहीं हो पा रहा है। जबकि डीसीजीआई के अनुसार, दवा में मिथाइल कोबालामिन की मार्केटिंग एवं मैन्युफैक्चरिंग की अनुमति है और 10 हजार माइक्रोग्राम तक मिथाइल कोबालामिन की मार्केटिंग की जा सकती है। डॉ. अग्रवाल ने फूड सप्लिमेंट्स में इसकी अनुमति के संबंध में पीएम ग्रीवांस सेल को भी चिट्ठी लिखी। पीएम ग्रीवांस सेल से दिसंबर 2021 में कहा गया कि मिथाइल कोबालामिन पर बैन हटा लिया गया है और इसे नोटिफाई करने की प्रक्रिया जल्द शुरू की जाएगी। लेकिन एक वर्ष के बाद भी नोटिफिकेशन की प्रक्रिया अभी तक पूरी नहीं हो पाई है। डॉ. संजय कहते हैं कि अमेरिका की नियामक संस्था यूएसएफडीए ने मिथाइल कोबालामिन के उपयोग को अप्रूव कर दिया है, जो कि इस क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि है, लेकिन भारत में नोटिफिकेशन का इंतजार है।